# E.E. Evans-Pritchard

इन्होंने Meyer Fortes के साथ मिलकर 'African-Political system' पुस्तक का संशोधन किया। इनकी कुछ पुस्तकें निम्नलिखित हैं:

① Nuer Religion - 1956
② Kinship and Marriage in Nuer - 1957
③ Witchcrafts orders and magic Among the Azenda - 1937
④ The Nuer - 1940

वह द्वितीय पीढ़ी के ब्रिटिश सामाजिक-मानवशास्त्री थे। उन्होंने रैडक्लिफ ब्राउन तथा मैलिनोस्की का अनुसरण किया। क्योंकि वह दोनों केवल समसामयिक वास्तविकता को ध्यान देते थे और इतिहास को ध्यान नहीं देते हैं। जबकि इवांस प्रिट्चार्ड ने इतिहास को ध्यान देते हुए विश्लेषण किया। इन्होंने कहा कि मानवशास्त्र परीक्षणात्मक प्राकृतिक विज्ञान नही है बल्कि यह मानविकी विज्ञान (Humanities science) है। इसमें शोधकर्ता का काम है, इतिहास का निर्वचन करना - और सांस्कृतिक अर्थ निकालना।

इस प्रकार उन्होंने निर्वचनात्मक उपागम की शुरुआत किया। इसीलिए उन्हें निर्वचनात्मक या प्रतीकात्मक मानवशास्त्री कहते हैं। उन्होंने कहा कि मानवशास्त्रियों को संस्कृति विशेष का अध्ययन

Scanned by CamScanner

करना चाहिए। सामाजिक संरचना का सर्वोत्तम अध्ययन के निम्न उपनियम हैं:-

उसमें कई क्रम के तार्किक, संज्ञानात्मक Map होना चाहिए जिसमें लचीलापन हो और जिससे सामाजिक व्यवहार का अर्थ निकल सकें।

फिर वह एक महान क्षेत्रीय कार्य करने वाले शोधकर्ता थे। उन्होंने अजेण्डा (Azenda) जनजाति में लंबा क्षेत्रीय कार्य किया और उनमें कई विश्वास, जटिल अपेक्षाएं एवं भ्रम रहता है जो कि उनके हिसाब से तार्किक है।

वह अवलोकन तथा गैर अवलोकन करके तथ्यों का विश्लेषण करते हैं।

उन्हें यदि लगता है कि कुछ लोग हानि कर सकते हैं जैसे; तकनीकी का प्रयोग करके • संचेतन रूप से, कुछ शक्तिशाली तथ्यों का प्रयोग करके या संचेतन अवस्था में शरीर के कोई विशेष अंग का प्रयोग करके कुछ विघटन उत्पन्न कर सकते हैं।

उन्होंने Nuer जनजाति में विस्तृत अध्ययन किया और राजनैतिक नातेदारी के संबंध में कई तत्वों पर निर्वचन किया। नातेदारी ज्यादातर हर तत्वों को संभालता था। जैसे कि Nuer एक राज्यविहीन समाज था जिसमें कानून व्यवस्था के रखरखाव नई तरीके से किया जाता था। अगर कोई झगड़ा होता था तो उसको खण्डात्मक विपरीतता व्यवस्था से हल किया जाता था।

Scanned by CamScanner

# विस्तृत नातेदारी का समूह

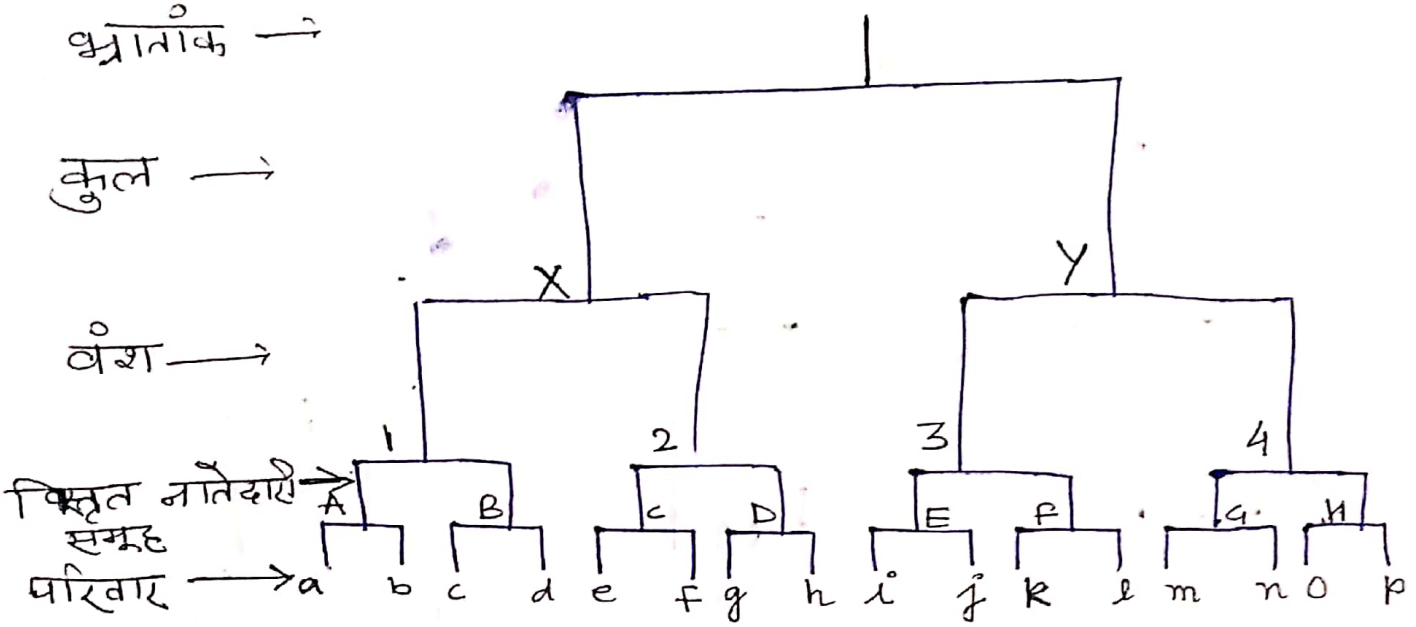


यह अलग-अलग पाँच स्तर हैं। हर स्तर पर विपरीतता पायी जाती है। अगर a व b में झगड़ा हुआ तो वे आपस में सुलह करेंगे। उसी प्रकार a व d के बीच झगड़ा होगा तो सुलह A व B करेगा तथा a व e के बीच झगड़ा होगा तो 1 व 2 सुलह करेगा तथा a व j के बीच झगड़ा होगा तो X व Y सुलह करेगा। ठीक इसी प्रकार a व m के बीच झगड़ा होगा तो भ्रातांक समूह (Phatry) सुलह करेगा।

इसके अलावा इवांस-प्रिचार्ड ने आर्थिक संरचना में आर्थिक उत्तराधिकार का नियम दिया जिसे रीढ़ की 'हड्डी का सिद्धांत' के नाम से जानते हैं। रीढ़ की हड्डी वंश का मुखिया है। दूर का रिश्तेदार (रक्त संबंधी) को सबसे कम सम्पत्ति मिलेगा तथा पास के रिश्तेदार को सबसे ज्यादा सम्पत्ति मिलेगी।

Scanned by CamScanner

इस प्रकार Evans-Pritchard ने Nuer के हर पहलू का निर्वचन किया।

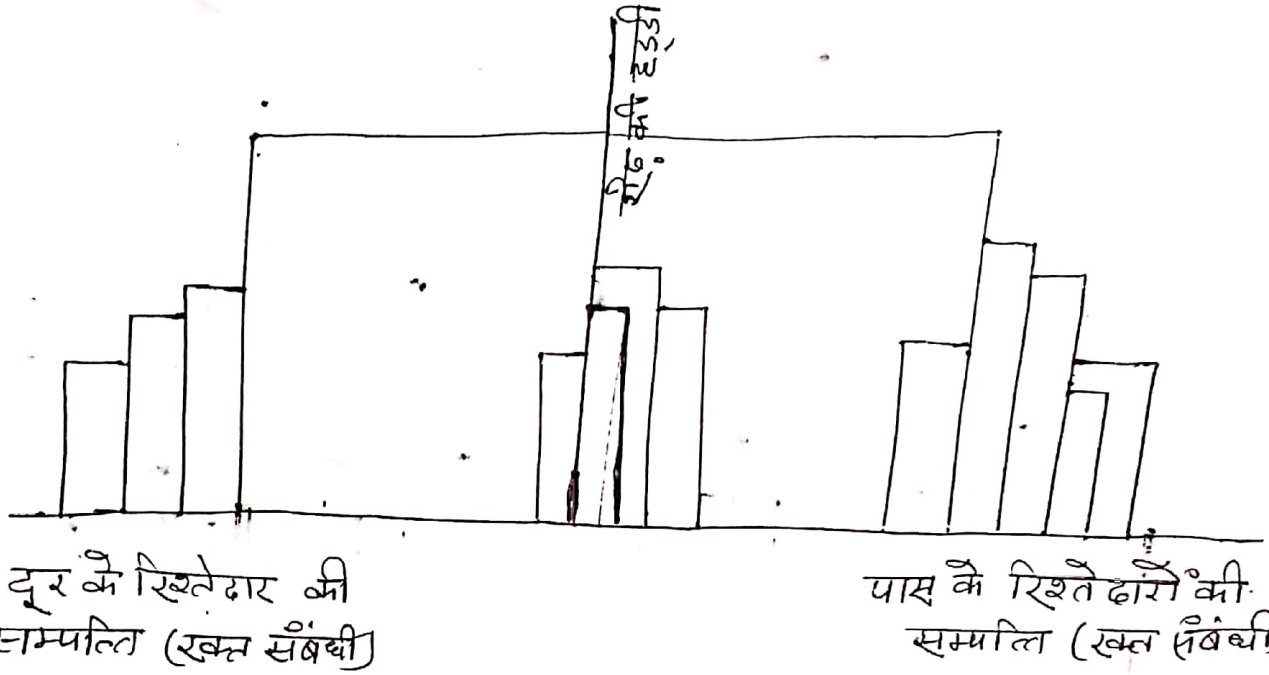


आलोचनात्मक विश्लेषण

उन्होंने रैडक्लिफ ब्राउन व मैलिनॉस्की का अनुसरण तो किया लेकिन वह उनसे भिन्न थे। वैसे उन्होंने कई समाजों का अध्ययन किया तथा कई तथ्यों का समान्यीकरण दिया। वे रैडक्लिफ ब्राउन के जैविकीय विश्लेषण का खण्डन करते हैं। लेकिन उन्होंने तुलनात्मक पद्धति का प्रयोग किया। उदाहरण: राजनैतिक संगठन के संबंध में अफ्रीका के 8 जनजातियों का तुलनात्मक अध्ययन किया। वैसे इन्होंने संरचनात्मक परिवर्तन का विश्लेषण नहीं किया था। लेकिन, उनके सिद्धान्तों को संतुलित प्रारूप भी नहीं कहा जाता है। Evans-Pritchard ने निर्वचनात्मक विचार की शुरुआत की थी इसीलिए सही मायने में उनको निर्वचनात्मक सिद्धान्त का जनक कहा जाता। Clifford Geertz ने इस निर्वचनात्मक अध्ययन को आगे बढ़ाया।

Scanned by CamScanner